THE ASIAN SCHOOL, DEHRADUN

(Session 2020-21)

WORKSHEET - 1

Class: 6th **Subject: HINDI** **MM: 20**

Note:
1. Attempt the worksheet in your subject notebook.
2. The worksheet is based on the topics from topics which have been taught previously.
3. The worksheet is meant for practice and recapitulation and shall be discussed by the subject teacher once the classes resume

अपठित गद्यांश-1 (1×5=5)

किसी शहर में एक नट मण्डली आई हुई थी. लोग भीड़ लगाकर नट के करतब देख रहे थे. भीड़ में दो चोर भी थे. उन्होंने देखा कि नट एक पतली सी रस्सी पर बड़े ही आराम से बिना किसी सहायता के चल रहा है. दोनों चोरो ने सोचा कि यदि यह नट हमारे साथ आ जाये तो चोरी करने में बड़ी सहायता मिलेगी. यह सोचकर दोनों चोरों ने नट से बात की. नट ने उन्हें मना कर दिया. चोर उसे बाँधकर अपने साथ ले गए, और रात में एक सेठ की हवेली के नीचे ले जाकर चाकू दिखाते हुए कहा "इस मुंडेर पर चलकर तुम अंदर जाकर दरवाजा खोलो". मुंडेर इतनी पतली थी कि उस पर कोई इंसान तो क्या कोई छोटा जानवर भी नहीं चल सकता था. चोर उस पर चढ़ा और एक कदम चलकर धड़ाम से नीचे गिर पड़ा. दोनों चोर चिल्लाते हुए बोले "तमाशा दिखाते हुए तो तुम पतली सी रस्सी पर चल रहे थे, यहाँ कैसे गिर पड़े? " चोर मासूमियत से बोला "ढोल बजाओ ढोल, क्योंकि मैं ढोल बजने पर ही रस्सी पर आराम से चल पाता हूँ. " नट की बात सुनकर चोरों ने अपना सिर पीट लिया.

उपर्युक्त अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1- शहर में कौन सी मंडली आई थी?

क-भजन मण्डली ख-नाटक मण्डल ग-बाल मण्डली घ-नट मण्डली

प्रश्न 2-नट किस पर बड़े आराम से चल रहा था?

क-एक पतली सी रस्सी पर ख-मोटे डंडे पर ग- मुंडेर पर घ-पतले तार पर

प्रश्न 3-बताइए कि चोरों ने क्या सोच कर नट से बात की?

प्रश्न 4- नट के मना करने पर चोरों ने उसके साथ कैसा बर्ताव किया?

प्रश्न 5 -गद्यांश में आये विशेषण शब्द लिखिए. (कोई दो)

अपठित गद्यांश-2 (1×7=7)

भारत को यदि हम त्योहारों का देश कहें तो अनुचित नहीं होगा. हमारे देश में वर्ष भर त्योहारों की धूम मची रहती है. हर बदलते मौसम के साथ ही कोई न कोई त्योहार अवश्य मनाया जाता है. ये त्योहार एक ओर हमें ऋतु परिवर्तन का सन्देश देते हैं तो दूसरी ओर उसके स्वागत हेतु हममें उत्साह-उमंग का संचार करते हैं. कुछ त्योहार धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं. ये सभी हमें एकता, प्रेम, भाई-चारा एवं सौहार्द का सन्देश देते हैं. वैसे भी हमारे देश में लगभग सभी धर्मों के निवासी हैं. भारत में सभी धर्मों को सम्मान प्राप्त है. सभी धर्मों के अनुयायियों को अपना धर्म पालन की पूर्ण स्वतंत्रता है. यही कारण है कि सभी त्योहारों को पूरा देश मिलजुलकर प्रसन्नता से मनाता है. हमारे देश के कुछ प्रमुख त्योहार हैं- होली, दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी,रामनवमी, ईद,क्रिसमस गुरपुरब,महावीर जयंती आदि. दीपावली यदि हलकी ठंडक के साथ आरम्भ होकर शीत ऋतु के आगमन की सूचना देता है, तो रामनवमी ग्रीष्मऋतु की सूचना देता है. मकर संक्रांति एवं लोहड़ी का त्योहार शीत ऋतु की समाप्ति तथा वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है. इस प्रकार हर त्योहार किसी न किसी ऋतु के जुड़ा हुआ है. बच्चों के लिए मनाया जाने वाला त्योहार बाल-दिवस है जो हमारे स्वतंत्र देश के प्रथम प्रधानमंत्री चाचा नेहरू के जन्मदिन पर बच्चों को समर्पित है. हमारे तीन राष्ट्रीय त्योहार हैं -1 स्वतंत्रता दिवस -यह 15 अगस्त को मनाया जाता है. सन् 1947 में हमें इसी दिन आजादी मिली थी. 2-गणतंत्र दिवस – सन् 1950 में हमें पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त हुई थी. हमारा संविधान बना था. 3- गांधी जयंती -यह हमारे राष्ट्रपिता बापू को समर्पित है. इस प्रकार हमारा देश सचमुच त्योहारों का देश है.

उपर्युक्त अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1- हमारे देश का क्या नाम है?
प्रश्न 2- हमारे देश में वर्षभर किसकी धूम रहती है?
प्रश्न 3- दीपावली का त्योहार हमें किस ऋतु के आगमन की सूचना देता है?
प्रश्न 4- गुरुपुरब किस धर्म के लोग मानते हैं?
प्रश्न 5- हम स्वतंत्रता दिवस क्यों मनाते हैं?
प्रश्न 6 -नेहरू जी का जन्मदिन हम किस रूप में मनाते है?
प्रश्न 7 -हम गणतंत्र दिवस क्यों मानते हैं ?

पत्र लेखन (4×2=8)

क. बड़ी बहन के विवाह हेतु एक सप्ताह के अवकाश की प्रार्थना करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखें

ख. आप वार्षिक परीक्षा में प्रथम आए हैं। इसके लिए आपके मामा ने आपको पुरस्कार के रुप में टेबलेट भेजा है।उसी का धन्यवाद प्रकट करते हुए उन्हें पत्र लिखिए।